DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

----------DATED----------

www.delhi.nbt.in । नवभारत टाइम्स । नई दिल्ली । मंगलवार, 3 जनवरी 2023

नांगल राया : डीडीए की जमीन पर 50 साल से चल रही अवैध मंडी

इसके कारण बंद किया गया कैंट स्टेशन का पीछे का गेट

Abhishek.Gautam1
@timesgroup.com

■ **नई दिल्ली :** नांगल राया स्थित डीडीए की जमीन पर करीब 50 साल से अवैध कब्जा है। कब्जा करने वाले इस जमीन पर धड़ल्ले से अवैध सब्जी मंडी चला रहे हैं। इसकी वजह से इलाके में गंदगी फैल रही है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि इस बारे में वह पहले भी शिकायत कर चुके हैं, लेकिन अधिकारी कोई कार्रवाई नहीं करते हैं। उधर, सब्जी मंडी की भीड़ को देखते हुए दिल्ली कैंट रेलवे ने पीछे का गेट बंद कर दिया है। इससे यात्रियों को भी स्टेशन जाने में असुविधा का सामना करना पड़ रहा है।

दिल्ली कैंट रेलवे स्टेशन जाने के लिए नांगल राया में पीछे एक गेट था, जो खुला रहता है। स्थानीय लोग इसी गेट से स्टेशन पर प्रवेश करते थे, लेकिन गेट के पास डीडीए की खाली जमीन पर अवैध मंडी लगने लगने लगी। धीरे-धीरे यहां दुकानों की संख्या बढ़ गई है। इस मंडी में सब्जी से लेकर मांस-मछली भी खुले में बेचे जा रहे हैं। मांस-मछली की दुकानों के कारण सड़कों पर गंदगी और बदबू फैल रहती है। लोगों को और ज्यादा दिक्कत होती है। इसलिए यहां से जाने में कतराते है।

पहले यहां कम दुकानें थीं, लेकिन धीरे-धीरे इनकी संख्या बढ़ती गई

खुलेआम होती है वसूली

एक शख्स ने नाम छिपाने की शर्त पर बताया कि मंडी अवैध तरीके से चल रही है। यहां दुकान लगाने के नाम पर प्रत्येक दुकानदार से पैसा लिए जाते हैं। शाम के वक्त सभी दुकानों में अवैध तरीके से लाइट भी जलाई जाती है। फिर भी कोई अधिकारी मामले का सुध नहीं ले रहा है। वहीं, डीडीए की जमीन पर चल रही मंडी के प्रधान राजेश से जब बात की गई, तो उन्होंने बताया कि मंडी अवैध रूप से चल रही है, लेकिन यह आज से नहीं बल्कि 50 साल से चल रही है।

- लोगों का आरोप है कि यहां खुलेआम मीट बिकने से गंदगी और बदबू होती है
- लोगों ने कहा-शिकायत के बाद भी अधिकारी यहां कोई कार्रवाई नहीं करते हैं

> जमीन का मामला इंजीनियर देखते हैं। इसकी जानकारी लेकर आगे की कार्रवाई की जाएगी।
> *- बिजोय पटेल, पीआरओ, डीडीए*

सुभाशीष के सामने डीडीए प्रोजेक्ट्स की कई चुनौतियां

■ **विस, नई दिल्ली :** डीडीए (दिल्ली विकास प्राधिकरण) के उपाध्यक्ष का पदभार सोमवार को सीनियर आईएएस सुभाशीष पांडा ने संभाल लिया। अपने दो दशक से अधिक के करियर में पांडा ने स्वास्थ्य, खाद्य और सार्वजनिक वितरण, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस, शहरी विकास, पर्यटन, योजना, लोक निर्माण और सूचना प्रौद्योगिकी जैसे विभिन्न क्षेत्रों में काम किया है।

सोमवार को उपाध्यक्ष का पदभार संभाला

एम्स दिल्ली में उप निदेशक (प्रशासन) के रूप में उन्होंने कोविड-19 महामारी के दौरान अहम भूमिका निभाई थी। हिमाचल प्रदेश काडर के 1997 बैच के आईएएस अधिकारी डीडीए में पदभार ग्रहण करने से पहले हिमाचल प्रदेश में मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव के पद पर रहे हैं। उनके सामने दिल्ली मास्टर प्लान-2041, यमुना के बाढ़ क्षेत्र का कायाकल्प, इन सीटू स्लम पुनर्वास योजना और पीएम उदय योजना को प्रभावी तरीके से लागू करवाने की चुनौतियां रहेंगी।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF ---------- हिन्दुस्तान ---DATED----------

2 दैनिक जागरण नई दिल्ली, 3 जनवरी, 2023

एक नजर में

सुभाशीष पांडा ने संभाला डीडीए उपाध्यक्ष का कार्यभार

नई दिल्ली : वरिष्ठ आइएएस सुभाशीष पांडा ने सोमवार को डीडीए के नए उपाध्यक्ष का कार्यभार संभाल लिया। दो दशक से अधिक के करियर में पांडा ने स्वास्थ्य, खाद्य और सार्वजनिक वितरण, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस, शहरी विकास, पर्यटन, योजना, लोक निर्माण और सूचना प्रौद्योगिकी जैसे विभिन्न क्षेत्रों में काम किया है। एम्स दिल्ली में उप निदेशक (प्रशासन) के रूप में उन्होंने कोविड-19 महामारी में अहम भूमिका निभाई। डीडीए की महत्वपूर्ण परियोजनाओं जैसे दिल्ली मुख्य योजना 2041, यमुना के मैदानों का कायाकल्प, स्लम पुनर्वास और पीएम उदय योजना में उनका अनुभव लाभकारी होगा। (राब्यू)

सुभाशीष पांडा

डीडीए की भूमि पर नहीं लगने दें मछली मंडी

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : उस्मानपुर में डीडीए की भूमि पर अवैध मछली मंडी चलाने से रोकने को दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) ने दिल्ली पुलिस व एमसीडी को निर्देश दिया है। लोक निर्माण विभाग बाढ़ एवं कृषि विभाग को भी ओ-जोन क्षेत्र की भूमि पर अतिक्रमण न होने देने को कदम उठाने के निर्देश दिए। एक याचिका पर यह जानकारी डीपीसीसी ने हलफनामा दाखिल कर नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) को दी है। याचिकाकर्ता मुदित कुमार ने कहा था कि उम्मानपुर में यमुना खादर के पास अवैध मछली मंडी चलाई जा रही है। इससे यहां गंदगी हो रही है जससे लोगों का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है। एनजीटी ने इस पर एक कमेटी बनाकर रिपोर्ट मांगी है। एनजीटी के निर्देश पर डीपीसीसी की संयुक्त समिति ने मौके का निरीक्षण भी किया। इसमें बताया कि यहां पर अस्थायी तौर पर कुछ लोग प्लेटफार्म बनाकर व्यापार करते हैं।

सुभाषीश पांडा ने संभाला डीडीए उपाध्यक्ष का कार्यभार

नई दिल्ली, व. सं. । वरिष्ठ आईएएस अधिकारी सुभाषीश पांडा ने सोमवार को दिल्ली विकास प्राधिकरण में उपाध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाला। उन्होंने अपने दो दशक से अधिक के करियर में स्वास्थ्य, खाद्य और सार्वजनिक वितरण जैसे विभिन्न क्षेत्रों में काम किया है।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) दिल्ली में उप निदेशक (प्रशासन) के रूप में कोविड-19 के दौरान अहम भूमिका निभाई। उनके समुदाय आधारित समग्र स्वच्छता कार्यक्रम मॉडल को पूरे हिमाचल में अपनाया गया, जिसके कारण यह देश का प्रथम ओडीएफ राज्य बन गया। हिमाचल प्रदेश कैडर के 1997 बैच के आईएएस अधिकारी सुभाषीश पांडा डीडीए में कार्यग्रहण करने से पूर्व हिमाचल प्रदेश मे मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव के पद पर थे।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

हिन्दुस्तान | नवभारत टाइम्स । नई दिल्ली । मंगलवार, 3 जनवरी 2023 ----------DATED----------

चल रही थी नए साल की पार्टी, गाली देने पर कर दिया मर्डर

गाजीपुर इलाके में हुई वारदात, नाबालिग समेत तीन आरोपी पकड़े

■ विशेष संवाददाता, गाजीपुर

ईस्ट दिल्ली के गाजीपुर इलाके में नए साल की पूर्व संध्या पर शराब पीकर जश्न मना रहे चार लड़कों पर विकास यादव उर्फ प्रवीन प्रधान (20) की हत्या करने का आरोप लगा है। पुलिस ने गाजियाबाद में खोड़ा कॉलोनी के शंकर विहार के हिमांशु (22) और इंदिरा विहार के नितिन कुमार (22) के अलावा एक 17 साल के नाबालिग को पकड़ लिया। एक आरोपी फरार है। आरोपियों का दावा है कि वो जश्न मना रहे थे तो विकास वहां आकर गाली-गलौज करने लगा, जिससे पहले से रंजिश थी। इसलिए हत्या कर सिर और चेहरा पत्थर से कुचल दिया।

डीसीपी (ईस्ट) अमृता गुगलोठ ने बताया कि खोड़ा कॉलोनी के सामने

पेपर मार्केट के करीब डीडीए लैंड पर शनिवार को एक लड़के का शव मिला। सिर-चेहरा कुचला हुआ था। मृतक की पहचान खोड़ा के सुभाष पार्क-2 में रहने वाले विकास यादव उर्फ प्रवीन प्रधान के तौर पर हुई। गाजीपुर थाने में मर्डर का केस दर्ज कर लिया गया। एसएचओ धीरज की देखरेख में इंस्पेक्टर सुभाष और एसआई विशाल की टीम बनाई गई। सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और लोकल इंटेलिजेंस को एक्टिव किया गया।

इससे खुलासा हुआ कि मृतक को आखिरी बार हिमांशु उर्फ मकई और नितिन समेत कुछ लड़कों के साथ देखा गया था। पुलिस ने हिमांशु को पकड़ लिया, जिसने पूछताछ में बताया कि विकास उर्फ प्रवीन पैसे और शराब की मांग करता था। एक बार उसने पिटाई भी कर दी थी, इसलिए विकास से वो रंजिश रखता था। नए साल की पूर्व संध्या पर डीडीए लैंड में दोस्तों के साथ शराब पी रहा था। विकास वहां आ गया और गाली-गलौज करने लगा। सभी ने उसे पीटा और ईंट से सिर-चेहरा कुचल कर फरार हो गए।

मर्डर का केस दर्ज

- चार लड़कों पर विकास यादव उर्फ प्रवीन प्रधान (20) की हत्या करने का आरोप लगा है
- सभी ने उसे पीटा और ईंट से सिर-चेहरा कुचल कर फरार हो गए

पार्टी में खलल डालने पर की थी युवक की हत्या

फॉलोअप

नई दिल्ली, वरिष्ठ संवाददाता । गाजीपुर इलाके में 1 जनवरी को हुई 20 वर्षीय विकास यादव की हत्या के मामले में पुलिस ने एक नाबालिग सहित तीन लोगों को पकड़ा है। गिरफ्तार आरोपियों में हिमांशु उर्फ मकई और नितिन कुमार शामिल है।

आरोपियों ने पुलिस को बताया कि वे लोग जश्न मना रहे थे। तभी विकार आकर गाली-गलौज करने लगा। इनकी पहले से रंजिश थी। इसी बात पर उन्होंने विकास के सिर व चेहरा पर पत्थर से हमला कर उसकी हत्या कर दी। पुलिस उपायुक्त अमरुथा गुगलोथ ने बताया कि 1 जनवरी को खोड़ा कॉलोनी के रहने वाले विकास का शव पेपर मार्केट के करीब डीडीए लैंड पर मिला था। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर हत्या की धारा में केस दर्ज कर जांच शुरू की।

एसएचओ धीरज, इंस्पेक्टर सुभाष और एसआई विशाल की टीम ने सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली तो पता चला कि विकास को आखिरी बार हिमांशु और नितिन के साथ देखा गया था।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

Tuesday, January 3, 2023
DELHI

THE HINDU
Opinion

Towards reducing India's prison footprint

Stuti Shah
is a Doctoral candidate at Columbia Law School

At the Constitution Day celebrations organised by the Supreme Court in November 2022, President Droupadi Murmu shared a snippet of her journey with the audience. She reflected on her visits to prisons across India and the circumstances of those incarcerated. She highlighted that these individuals were often unaware of their fundamental rights and had been incarcerated for prolonged periods for minor offences, while their families, struggling with poverty, were unable to bail them out.

President Murmu emphasised how the judiciary, executive, and legislature must work together to help them, and concluded by poignantly asking: How are we claiming that we are progressing as a nation, if we are still building prisons to address the issue of overcrowding?

In stark contrast, in June last year, Lieutenant-Governor of Delhi (L-G) Vinai Kumar Saxena directed the Delhi Development Authority (DDA) to allocate 1.6 lakh square metres of land to Delhi's prison department to construct a district prison complex in Narela. The DDA has received ₹135.79 crore from the prison administration for the land thus far, and is demanding a further payment of ₹29.88 crore.

Officials claim that the prison is to be constructed in two phases, the first for high-risk offenders and the second for undertrials.

Re-thinking architecture

In phase 1, which is expected to be completed by April 2024, a high-security jail is to be built in the complex with a capacity to lodge 250 high-risk prisoners. The prison administration has incorporated stringent security measures in the design such as constructing high walls between cells to prevent inmates from viewing others, and interacting with each other, as well as building office spaces between cells to facilitate surveillance.

French philosopher Michel Foucault has extensively written about how the architecture of prisons is often used as a tool to surveil, torture, and break the souls of inmates. With this prison design, the Delhi prison administration is essentially creating solitary confinement which will have a severe detrimental effect on prisoners' mental health.

Frank Gehry, a renowned architect, offered a semester-long course at the Yale School of Architecture in 2017, on architecture and mass incarceration. As their final project, students were tasked with designing a prison facility to house extraordinarily violent offenders. Their models featured open and communal space, fresh air, and spaces for family visits and therapy. Their versions of prisons looked like university campuses, health and wellness facilities, monasteries, and communal complexes emphasising the need to break away from the traditional conception of prisons as mere warehouses and cages, even for the most violent inmates. The students viewed prisoners and prison staff as their clients, rather than the state bureaucracy, and this impacted their designs.

Defund prisons

Prisons in India are still governed by the Prisons Act, 1894, a colonial legislation which treats prisoners as sub-par citizens, and provides the legal basis for punishment to be retributive, rather than rehabilitative. These laws are also highly casteist, and remain largely unchanged since they were drafted by the British. For example, some jail manuals continue to focus on purity as prescribed by the caste system, and assign work in prison based on the prisoner's caste identity.

Furthermore, Dalits and Adivasis are over-represented in Indian prisons. The National Dalit Movement for Justice and the National Centre for Dalit Human Rights' report 'Criminal Justice in the Shadow of Caste' explains the social, systemic, legal, and political barriers that contribute to this. Legislations such as the Habitual Offenders Act and Beggary Laws allow the police to target them for reported crimes.

The L-G's claim to decongest Delhi's prison complexes by setting up prisons in Narela is misguided. It is helpful to look towards President Murmu's timely and emphatic clarion call at the Constitutional Day speeches, where she insightfully noted that progress is antithetical to setting up prisons, and we must address congestion in prisons in non-carceral ways. These could include releasing unwell or old inmates, reducing penalties, allowing bail at affordable costs, employing anti-carceral ways of holding people accountable for their crimes, and expediting trials.

The primary reason why prisons are overcrowded is because India has not done enough to truly prevent crime. Our approach to crime should be preventive, rather than reactive. Instead of investing thousands of crores in finding "state-of the art" ways to cage and harm people, the L-G should reflect on the soul of India's Constitution which imposes welfare obligations on the state. He could work with the Delhi government to channel public funds towards public goods such as housing, education, and employment, so that people would not be as compelled to, or have as much proclivity to commit crimes.

We must take preventive measures before we realise that we have travelled far down this road, and have subjected several people to unnecessary trauma and confinement. With the warning signs beseeching us, we must amplify President Murmu's message on the need to de-carcerate and stop building more prisons, so that the L-G takes adequate steps in that direction. As the three-judge Bench of the Supreme Court led by Justice U.U. Lalit recently quoted Oscar Wilde while commuting a death sentence, we must recognise that 'Every saint has a past, and every sinner has a future.'

Progress is antithetical to setting up prisons, and we must address congestion in prisons in non-carceral ways

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

millenniumpost
TUESDAY, 3 JANUARY, 2023 | NEW DELHI

Subhasish Panda takes charge as DDA vice-chairman: Official

OUR CORRESPONDENT

NEW DELHI: Bureaucrat Subhasish Panda on Monday took charge as the vice chairman of the Delhi Development Authority, a senior official said.

A 1997-batch IAS officer of the Himachal Pradesh cadre, Panda was holding the charge of principal secretary to the chief minister in the hill state before joining the DDA, an official statement said.

In a career spanning over two decades, Panda has worked in various sectors like health, food and public distribution, petroleum and natural gas, urban development, tourism, planning, public works and information technology, the DDA said.

"He played a pivotal role as deputy director (administration) in the All India Institute of Medical Sciences (AIIMS)-Delhi during the COVID-19 pandemic to ensure all essential facilities are provided to the patients in a time-bound manner," the statement said.

His model of a community-led total sanitation programme was adopted across Himachal, which ultimately led to the state becoming "the first ODF (open defecation-free) state in the country," the DDA said in its statement.

Panda's experience will be beneficial at a time when important projects are being undertaken by the DDA, such as preparation of the Delhi Master Plan-2041, rejuvenation of river Yamuna plains, in situ slum rehabilitation scheme and PM-UDAY scheme, it said.

Panda holds an MPhil degree in environmental science from Jawaharlal Nehru University. He also has a master's degree in governance and development from the UK's Institute of Development Studies, the statement said.

He succeeds IAS officer Manish Kumar Gupta as the DDA's vice chairman.

the pioneer
DATE: TUESDAY | JANUARY 3, 2023

IAS officer S Panda takes charge as DDA Vice-Chairman

STAFF REPORTER ■ NEW DELHI

A 1997-batch IAS officer of the Himachal Pradesh cadre Subhasish Panda on Monday took charge as the vice chairman of the Delhi Development Authority.

Panda was holding the charge of principal secretary to the chief minister in the hill state before joining the DDA, an official statement said. In a career spanning over two decades, Panda has worked in various sectors like health, food and public distribution, petroleum and natural gas, urban development, tourism, planning, public works and information technology, the DDA said.

"He played a pivotal role as deputy director (administration) in the All India Institute of Medical Sciences (AIIMS)-Delhi during the COVID-19 pandemic to ensure all essential facilities are provided to the patients in a time-bound manner," the statement said.

His model of a community-led total sanitation programme was adopted across Himachal, which ultimately led to the state becoming "the first ODF (open defecation-free) state in the country," the DDA said in its statement.

Panda's experience will be beneficial at a time when important projects are being undertaken by the DDA, such as preparation of the Delhi Master Plan-2041, rejuvenation of river Yamuna plains, in situ slum rehabilitation scheme and PM-UDAY scheme, it said.

Panda holds an MPhil degree in environmental science from Jawaharlal Nehru University. He also has a master's degree in governance and development from the UK's Institute of Development Studies, the statement said. He succeeds IAS officer Manish Kumar Gupta as the DDA's vice chairman.

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

पंजाब केसरी
DELHI
3 जनवरी, 2023 ▶ मंगलवार
DATED

एक आरोपी की तलाश कर रही पुलिस, गाली-गलौज करने पर दिया वारदात को अंजाम

नए साल पर युवक को पीट-पीटकर उतारा मौत के घाट, तीन दबोचे

पूर्वी दिल्ली (पंजाब केसरी) : ईस्ट डिस्ट्रिक्ट के गाजीपुर इलाके में नए साल पर विकास यादव उर्फ प्रवीन प्रधान नामक (20) युवक की हत्या की गुत्थी को पुलिस ने सुलझा लिया है। पुलिस ने इस मामले में एक नाबालिग समेत तीन लोगों को पकड़ा है। पकड़े गए आरोपियों के नाम हिमांशु उर्फ मकई (22) और नितिन कुमार (22) के रूप में हुई है। इस मामले में एक आरोपी फरार है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने पुलिस को बताया कि वे लोग जश्न मना रहे थे। तभी विकास आकर गाली-गलौज करने लगा। इनकी पहले से रंजिश थी। इसी बात पर उन्होंने विकास के सिर व चेहरे पर पत्थर से हमला कर उसकी हत्या कर दी। पुलिस चौथे आरोपी की तलाश कर रही है।

पुलिस उपायुक्त अमरुथा गुगलोठ ने बताया कि गाजीपुर थाना पुलिस को खोड़ा कॉलोनी के सामने पेपर मार्केट के करीब डीडीए लैंड पर एक लड़के का शव पड़े होने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई। मौके पर पुलिस को युवक का सिर व चेहरा कुचला हुआ था। मृतक की पहचान खेड़ा के सुभाष पार्क-2 निवासी विकास यादव उर्फ प्रवीन प्रधान के रूप में हुई। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया। आरोपियों को पकड़ने के लिए एसएचओ धीरज के नेतृत्व में इंस्पेक्टर सुभाष और एसआई विशाल की टीम बनाई गई। टीम ने वारदात स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाली और लोकल इंटेलिजेंस की मदद ली। पुलिस ने गुप्त सूचना के बाद हिमांशु को पकड़ लिया। पूछताछ के बाद उसने अपना जुर्म कबूल लिया।

▶▶ पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए हत्या के आरोपी।

THE HINDU

Subhasish Panda is DDA vice-chairman

The Hindu Bureau
NEW DELHI

Subhasish Panda, a 1997-batch IAS officer of the Himachal Pradesh cadre, took charge as the vice-chairman of the Delhi Development Authority (DDA), succeeding Manish Gupta in the role, the urban body announced on Monday. Mr. Gupta's period of deputation ended on December 28, 2022.

अमर उजाला

सुभाशीष पांडा बने डीडीए के उपाध्यक्ष

नई दिल्ली। वरिष्ठ आईएएस अधिकारी सुभाशीश पांडा डीडीए के नए उपाध्यक्ष बने। उन्होंने मंगलवार को कार्यभार संभाल लिया। अपने दो दशक से अधिक समय के करियर में वह स्वास्थ्य, खाद्य और सार्वजनिक वितरण, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस, शहरी विकास, पर्यटन, योजना, लोक निर्माण और सूचना प्रौद्योगिकी जैसे विभिन्न क्षेत्रों में काम कर चुके हैं। उन्होंने कोरोना महामारी के दौरान अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) दिल्ली में उप निदेशक (प्रशासन) के रूप में अहम भूमिका निभाई।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

पंजाब केसरी DELHI 3 जनवरी, 2023 ▶ मंगलवार

डीडीए उपाध्यक्ष सुभाशीष पांडा ने संभाला कार्यभार

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): हिमाचल प्रदेश कैडर के 1997 बैच के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी सुभाशीष पांडा ने सोमवार को डीडीए उपाध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाल लिया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों से प्राधिकरण के कामों की जानकारी ली। ऐसे समय में जब डीडीए द्वारा महत्वपूर्ण परियोजनाएं जैसे मास्टर प्लान 2041, यमुना के मैदानों का कायाकल्प, इन सीटू स्लम पुनर्वास योजना और पीएम उदय योजना शुरू की जा रही है। उनका व्यापक अनुभव लाभकारी होगा। पांडा विज्ञान स्नातक हैं और वे जेएनयू पर्यावरण विज्ञान में स्नातकोत्तर व एमफिल हैं। उनके पास इंस्टीट्यूट ऑफ डेवलपमेंट स्टडीज, यूके से गवर्नेंस एंड डेवलपमेंट में स्नातकोत्तर डिग्री भी है। अपने दो दशक से अधिक के करियर में पांडा ने स्वास्थ्य, खाद्य और सार्वजनिक वितरण, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस, शहरी विकास, पर्यटन, योजना, लोक निर्माण और सूचना प्रौद्योगिकी जैसे विभिन्न क्षेत्रों में काम किया है। एम्स दिल्ली में उप निदेशक (प्रशासन) के रूप में उन्होंने कोविड-19 के दौरान अहम भूमिका निभाई, ताकि मरीजों को समयबद्ध तरीके से सभी आवश्यक सुविधाएं प्रदान की जा सकें।

3 जनवरी • 2023 राष्ट्रीय सहारा

डीडीए के नए उपाध्यक्ष से संभाला कार्यभार

नई दिल्ली (एसएनबी)। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के नव नियुक्त उपाध्यक्ष सुभाशीष पांडा ने सोमवार को अपना नया कार्यभार संभाल लिया है। भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के 1997 बैच के हिमाचल प्रदेश काडर के अधिकारी सुभाशीष पांडा का केंद्र सरकार ने बीते सप्ताह डीडीए के उपाध्यक्ष पद पर तबादला हुआ था। उन्होंने तत्कालीन उपाध्यक्ष मनीष कुमार गुप्ता का स्थान लिया है। सुभाशीष पांडा अपने करीब दो दशक के सेवाकाल में स्वास्थ्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस, शहरी विकास, पर्यटन,लोक निर्माण एवं सूचना प्रौद्योगिकी जैसे विभागों में विभिन्न पदों पर रह चुके हैं। इसके अलावा एम्स में उप-निदेशक के पद पर भी काम कर चुके हैं। पांडा डीडीए के उपाध्यक्ष बनने से पहले पांडा हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव पर थे। मास्टर प्लान-2041, यमुना नदी के आसपास के क्षेत्र का विकास, जहां झुग्गी-बहीं मकान, पीएम उदय जैसे योजनाओं को गति मिलेगी। दिल्ली के लोगों को इसका लाभ मिलेगा। सुभाशीष पांडा ने जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय से विज्ञान में स्नातक एवं स्नातकोत्तर के साथ ही एमफिल की पढ़ाई की है। उनके पास इंस्टीट्यूट ऑफ डेवलपमेंट स्टडीज, यूके से गवर्नेंस एंड डेवलपमेंट में स्नातकोत्तर की डिग्री भी है।

पंजाब केसरी DELHI 3 जनवरी, 2023 ▶ मंगलवार

गरीबों व जरूरतमंदों को कम्बल वितरित किए

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी) : कड़कड़ाती ठंड से राहत के लिए गरीबों को रोशनी ट्रस्ट के तत्वावधान में पूर्वी दिल्ली में आईपी एक्सटेंशन के विदिशा सोसाइटी के सामने डीडीए मार्केट में जरूरतमंदों को 1001 कम्बल वितरित किए गए। आम आदमी पार्टी से राज्यसभा सांसद डॉ. सुशील गुप्ता की सांसद प्रतिनिधि व समाज सेविका शिखा गर्ग ने कहा "मानव सेवा ही परम धर्म है' हर साल की तरह इस बार भी रोशनी ट्रस्ट द्वारा जरूरतमंदों को कम्बल वितरित किय गए। उन्होंने कहा कि पिछले कई दिनों से संस्था के सदस्य दिल्ली के विभिन्न ग्रामीण छेत्रों में जाकर जरूरतमंदों को कम्बल वितरण कर रहे हैं। रोशनी ट्रस्ट के चेयरमैन सुनील कुमार गुप्ता ने कहा कि हमारा उद्देश्य न केवल जरूरतमंदों की मदद करना है बल्कि समाज को एक नई दिशा दिखाना समाज में सहानुभूति और प्यार फैलाना भी है। इस वर्ष कम्बल वितरण में मुख्य रूप से नगर निगम, लोक निर्माण विभाग, दिल्ली जल बोर्ड, डीडीए हॉर्टिकल्चर के निम्न स्तर के कर्मचारियों के अलावा रिक्शा चालक, रेडी पटरी वाले और गरीब एवं जरूरतमंदों को कम्बल का वितरण किया गया।

जेपी ने किया चित्रकला प्रदर्शनी का लोकार्पण

डीडीसीए लीग : शाश्वत कोहली और मानव चमके

नई दिल्ली (एसएनबी)। शाश्वत कोहली (3/14, 14 रन ना.), अभिषेक रंजन 3/27 और मानव चावला 70 रन ना. के शानदार खेल से डीडीए ने डीडीसीए लीग मैच में एलबी शास्त्री कोचिंग सेंटर को आठ विकेट से पराजित कर दिया। **संक्षिप्त स्कोर** - एलबी शास्त्री कोचिंग सेंटर : 35 ओवर में 144/10 (शुभम सत्यपाल 25 रन, शाश्वत कोहली 3/14, अभिषेक रंजन 3/27), डीडीए : 28 ओवर में 145/2 (मानव चावला 70 रन ना. विमन्यु 48 रन, शाश्वत कोहली 14 रन ना., हिमांशु 1/17)।